लापरवाही

रोज हो रही है दुर्घटनाएं, प्रशासन का मौन चर्चाओं में

सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा

नरसिंहपुर। नगर की सड़कों पर घूम रहे बेसहारा मवेशी लोगों के लिए परेशानी बनते जा रहे हैं। सुबह हो या शाम इनका जमावड़ा सड़कों व चौराहों पर लग जाता है। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि इतवारा बाजार के पास मॉडल रोड पर कई बार मवेशियों के चलते छुटपुट दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। इन सबके बाद भी नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस ओर नहीं है। उल्लेखनीय है कि है कि नगर के व्यस्ततम मागों पर बुरे हालात बन रहे हैं।

यातायात हो रहा बाधित

इतवारा बाजार में सब्जी मंडी की वजह से यहां मॉडल रोड पर अष्टांग चिकित्सालय, बैलहाई काम्पलेक्स के पास, सुभाष पार्क चौराहा, अस्पताल के सामने, गुलाब चौराहा, खैरीनाका, मंडी परिसर, सहित बाजार में दिनभर आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। नगर पालिका द्वारा करीब एक दशक पहले आवारा मवेशियों के लिए एसडीएम कार्यालय के सामने कांजी हाउस का निर्माण कराया गया था।

कई लोग हो चुके घायल

कांजी हाउस में अधिकतम 30 मवेशियों को रखने की क्षमता है। हाल यह है कि कांजी हाउस में एक भी गाय को नगरपालिका द्वारा नहीं रखा गया है। जिसके चलते यहां गेट पर ताला लटका हुआ है। वहीं आवारा मवेशी सड़कों पर यहां-वहां झुंडों में खड़े होकर कहीं यातायात को बाधित करते हैं। इतवारा बाजार, गुलाब चौराहा सहित अन्य स्थानों पर इन दिनों सांडों की लड़ाई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर रही है। बेसहारा मवेशी बाजार में भी विचरण करते हैं। वहीं बाजार में भी दिनभर लोगों की भीड़ जमा रहती है। इस दौरान कभी भी यह आवारा मवेशी किसी को भी सींग मार दे कोई भरोसा नहीं।

पालकों पर नहीं होती कार्रवाई

इस संबंध में सब्जी मंडी में सब्जी व्यापारी नीटू सरदार ने बताया कि सब्जी की दुकान, ठेलों के आसपास पशुओं का ज्यादा जमावड़ा रहता है। कई बार सब्जियों में मुंह मारकर नुकसान कर देते हैं। शहरी क्षेत्र में कुछ स्थानों पर पशुओं को पालने वाले गंदगी भी सड़कों पर फैला रहे हैं। मवेशियों का सुबह दूध दुहकर छोड़ दिया जाता है। वहीं शाम को भी दूध लगाने के लिए लाकर रात में फिर आवारा छोड़ दिया जाता है। इसमें खास बात यह भी है कि पूरे शहर में आवारा मवेशी के तौर पर भैंस वंशीय जानवर नहीं दिखाई देते हैं। केवल गौवंश ही सड़कों पर आवारा घूम रहा है। इसका मुख्य कारण गौवंश मवेशियों द्वारा कम दूध देना होता है और कई तो दूध नहीं दे पाने की स्थिति खुले छोड़ दिए जाते हैं। ऐसे पालकों पर कार्रवाई नहीं होने से इनके हौसले बुलंद हैं।

गुरुपूर्णिमा पर निकली भव्य सांई पालकी यात्रा

गोटेगांव। नगर के भगतसिंह वार्ड स्थित गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर साईं मंदिर से भव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर श्री साईं बाबा की पूर्ण विधि विधान मंत्रउच्चारण के साथ पूजन अर्चन करने के उपरांत सांई पालकी की यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर जागृति नगर होते हुए पुन: मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्ति भाव से झूमते-गाते हुए यात्रा में शामिल हुए। समिति के युवा सदस्य हर्षित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की यह भव्य पालकी यात्रा विगत सात वर्षों से निरंतर निकाली जा रही है, जिसमें नगर के कोने-कोने से साईं भक्त उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। पूरे नगर में यात्रा के दौरान भक्ति की गूंज और भक्तों की श्रद्धा से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे व प्रसाद की व्यवस्था भी की गई, जिसका सभी ने आनंद लिया। इस अवसर पर इंजी.सरदारसिंह पटेल निर्मल पटेल शरद सोनी सतीश बड़या श्री साहू रमेश नागवंशी आनंद सराठे राजाराम तिवारी सी एल सेन शालिग्राम साहू अनिल जैन देवीसिंह पटेल बिलवार, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, योगेश सहित अनेक श्रद्धालुओं ने साईं पालकी यात्रा में सम्मलित होकर धर्मलाभ उठाया।

सरकारी स्कूलों में बस सुविधा हो अनिवार्य

गाडरवारा। बेटी पढ़ाओ का नारा तभी सार्थक होगा, जब बेटियाँ स्कूल तक सुरक्षित पहुँच सकें। आज भी कई ग्रामीण इलाकों में स्कूल दूर होने के कारण बेटियाँ समय पर और सुरक्षित विद्यालय नहीं पहुँच पातीं।

सरकार द्वारा साइकिलें तो दी गईं, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? गांवों में सुनसान और असुरक्षित रास्तों से होकर जाना, बारिश में फिसलन भरी पगडंडियाँ, सर्द सुबहें और गर्मी की लू — इन सबके बीच बेटियों का अकेले स्कूल जाना न केवल कठिन है, बल्कि खतरनाक भी। जब सार्वजनिक स्थान भी सुरक्षित नहीं हैं, तो माँ-बाप अपनी बेटियों को

दूर स्कूल भेजने से हिचकते हैं। इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई पर पड़ता है—कई बार बीच में ही शिक्षा छूट जाती है। इस गंभीर स्थिति में ज़रूरत है ठोस समाधान की। जैसे प्राइवेट स्कूलों की बसें गाँव-गाँव जाती हैं, वैसे ही सरकारी स्कूलों के लिए भी बेटियों को लाने-ले जाने की विशेष बस सुविधा शुरू की जानी चाहिए। यह पहल न केवल बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि अभिभावकों को भी मानसिक शांति देगी। सबसे महत्वपूर्ण बात — हज़ारों छात्राओं की पढ़ाई रुकने से बचेगी और वे उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ सकेंगी। मध्यप्रदेश सरकार और शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से अपील है कि इस दिशा में जल्द कदम उठाकर ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों के लिए स्कूल बस सेवा शुरू की जाए। यही बेटी पढ़ाओ अभियान को सही मायनों में

शासकीय शालाओं में होगा शैक्षिक ओलंपियाड

गाडरवारा। क्षेत्र के समस्त शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों को प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक, भौगोलिक ऐतिहासिक परिदृश्य, समसामयिक सामान्य ज्ञान तथा हिन्दी, इंग्लिश, विज्ञान और गणित विषयों से जोड़ने के लिये मंच क्विज प्रतियोगिता ओलंपियाड का आयोजन इस वर्ष दो चरणों में जन शिक्षा केन्द्र और जिलास्तर पर किया जा रहा है। इस वर्ष जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय आयोजन सितंबर और जिला स्तरीय आयोजन नवंबर माह में होगा। ओलंपियाड में सहभागिता के लिये विद्यार्थी शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन पंजीयन हह्यद्यद्वश्च पोर्टल पर 30 जुलाई तक कर सकेंगे।

दूसरी कक्षा के बच्चे ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे

इस वर्ष ओलंपियाड में कक्षा दूसरी से लेकर 8वीं तक प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थी ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे। इस व्यवस्था से बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये प्रारंभिक काल से अनुभव प्राप्त होगा। कक्षा 2 और 3 के लिये इंग्लिश, हिन्दी और गणित, कक्षा 4 और 5 के लिए इंग्लिश, हिन्दी, गणित एवं पर्यावरण विषय पर और कक्षा 6, 7 और 8 के लिए हिन्दी, संस्कृत, इंग्लिश, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषय में ओलंपियाड प्रतियोगिता होगी।

बरकुंडा डोभी सड़क मार्ग बंद

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में पिछले एक पखवाड़े से चल रही अनवरत बरसात के चलते आम जन जीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है ।वहीं तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरकुंडा से डोभी सड़क मार्ग पिछले 3 दिन से बंद पड़ा हुआ है। वहीं बीच सड़क पर बरगद का विशाल काय वृक्ष गिर जाने सडक मार्ग बंद है ।ग्रामीणों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि यह मार्ग हम आसपास के लगे गांवों के लिए आवागमन की दृष्टि से सुलभ है। लेकिन अभी तक वृक्ष ना हटने के कारण आवागमन में असुविधा हो रही है।

बच्चों के पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी पर चर्चा

तेंदूखेड़ा। शुक्रवार को तेंदूखेड़ा पहुंचे जबलपुर संभाग के कमिश्नर धनंजय सिंह भदौरिया ने तेंदूखेड़ा आई टी आई सभागार में आयोजित पोषण प्रबंधन कार्यशाला के दौरान शासन द्वारा निर्धारित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग सहित ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों से काफी विस्तार से चर्चा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने की बात कही।

बच्चों में कुपोषण को रोकने उनके सर्वांगीण विकास पर पालकों को ध्यान दिये जाने के साथ साथ महिला वाल विकास विभाग भी सजग रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई के साथ मौसमी बीमारियों की रोकथाम की दिशा में

कारगार कदम उठाए जाने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कमिश्नर श्री भदोरिया ने प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी को शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में सजगता से काम करने के लिए निर्देशित किया। सेमीनार के उपरांत पत्रकारों ने तेंदूखेड़ा की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुविधाओं की नगण्यता स्टाप की कमी पर भी चर्चा की । कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही उचित व्यवस्था कराई जायेगी।आई टी आई तेंदूखेड़ा में चल रही ट्रेडों के बारे में भी प्रबंधक से चर्चा की गई। इस मौके पर आई टी आई परिसर में आम और पाम के पौधे भी लगाये गये।इस मौके पर कलेक्टर शीतला पटले के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी भी प्रमुख रुप से उपस्थित थे। इसके पूर्व जबलपुर से आते समय नरसिंहपुर जिले की सीमा के अंतर्गत कुम्हरोढा तथा रोंसरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा देवरी आंगनबाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया।

नगर पालिका ने अतिक्रमण हटाकर लोगों को दी समझाइश

गोटेगांव। विगतदिवस नगरीय क्षेत्र विभिन्न स्थानो मे वर्षा अधिक होने से पानी का भराव हो रहा था जिससे नगर वासियों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा था सुरक्षा की दृष्टिगत रखते हुए नागरिको के द्वारा शिकायत प्राप्त होने पर पंजाब बैक के सामने अस्थाई निमार्ण कर लिया गया था जिससे पानी निकासी न होने से शिकायत प्राप्त हुई और मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतेन्दसिह शालवार के निर्देशानुसार अनुसार नगर पालिका की स्वच्छता टीम राजस्व लोक निर्माण अतिक्रमण दल ने मौके का निरीक्षण किया जा कर उक्त स्थल से अतिक्रमण हटाकर पानी निकासी कराई गई स्थानीय फुहारा चौक से झौतेश्वर रोड पर विघुत मंडल मार्ग के किनारे अस्थाई झोपड़ी बनाकर आधे रास्ते मे दो सब्जी दुकान ठेला लगाकर अतिक्रमण किया था जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था नाली की निमित साफ-सफाई नही हो रही थी जिसका मौके का निरीक्षण कर उक्त अतिक्रमण हटाया गया एवं समझयत दी गई यदि उक्त स्थल पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण किया जायेगा तो संबंधित के विरुद्ध नगर पालिका अधिनियम के तहत कार्रवाई कि जाकर चालानी कार्रवाई कि जायेगी जिसकी संपूर्ण जबाबदारी संबंधित की होगी फुहारा चौक से रेल्वे स्टेशन मार्ग पर फल ,सब्जी ,चाट ठेला लगा कर यातायात प्रभावित किया जा रहा।

एक नजर में

प्रथम दिवस पर कांवड़ यात्रा का आयोजन

साईखेड़ा। श्रावण मास के प्रथम पावन दिवस पर भगवान श्री नर्मदेश्वर महादेव का मां नर्मदा जल से अभिषेक एवं स्नान किया गया। इस अवसर पर धर्मेश्वर धाम, तूमड़ा से कावड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ, जो मां नर्मदा झिकोली घाट से जल भरकर नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर, तूमड़ा में संपन्न हुई। इस धर्ममय यात्रा में शिव भक्ति से ओतप्रोत बड़ी संख्या में कावड़िया एवं श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा वातावरण हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

अक्षय चार्टर्ड अकाउंटेंट बने

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित सहजपुर वाले कोठारी परिवार अमित कोठारी (के के) के सुपुत्र अक्षय जैन चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। इनकी इस सफलता पर शुभचिंतकों ने बधाईयां प्रेषित की हैं। तथा परिवार में हर्ष का वातावरण बना हुआ है।

भवन निर्माण के लिए 5 करोड़ 25 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति

नरसिंहपुर। जनपद पंचायत को नया भवन मिलने जा रहा है पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने भवन निर्माण के लिए 5 करोड़ 25 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी हैं। जनपद पंचायत नरसिंहपुर उपाध्यक्ष श्री कंछेदी पटेल ने नरसिंहपुर विधानसभा से विधायक एवं मप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का आभार व्यक्त किया है। नए भवन में आधुनिक तकनीकी सुविधाएं होगी। इससे सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन आसान होगा। पंचायत की कार्यप्रणाली पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। क्षेत्र की जनता को ग्राम विकास और जनकल्याण कार्यों में सहूलियत मिलेगी। उपाध्यक्ष श्री पटेल ने कहा कि मंत्री पटेल पर भरोसा जताते हुए कहा कि नरसिंहपुर में लगातार नई योजनाएं आ रही है और उन्हें भविष्य में और भी विकास कार्यों पर भरोसा दिलाया है अभी पुरानी जनपद भवन की हालत खराब है कमरों में पानी टपकता है उन लोगों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

किसान कल्याण तथा कृषि विभाग द्वारा किसानों को मिनीकिट बीज वितरण

गोटेगांव। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विकासखंड गोटेगांव के द्वारा मिनीकिट बीज वितरण का कार्यक्रम जनपद पंचायत सभाहाल में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश एवं कृषि विभाग के पदाधिकारी द्वारा बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों को मिनीकिट बीज वितरण किए जाने के उपरांत उपस्थित कृषि विभाग अधिकारियों ने किसानों को कृषि संबंधित जानकारी से किसानों को अवगत कराया साथ ही कृषि करने के लिए तरीका बतलाएं इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि वेद प्रकाश कुलस्ते मंडल अध्यक्ष भागवत पटेल जनपद उपाध्यक्ष दादूराम पटेल जनपद सदस्य रामजी पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधि एवं कृषि विभाग गोटेगांव के अधिकारी सहित क्षेत्रीय किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शासकीय महाविद्यालय में मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

साईखेड़ा। शासकीय महाविध्यालय साईखेडा में गुरु पूर्णिमा उत्सव आयोजित किया गया जिसमें मां सरस्वती जी एवं दादा धूनी वालो का पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें रिटार्ड शिक्षक चूरामन विश्वकर्मा एवं समस्त सटाफ का साल श्री फल से सम्मानित किया गया जिसमें मुख्त अतिथि जन भागीदारी समिति अध्यक्ष राकेश खेमरिया मंडल अध्यक्ष दिग्विजय सिंह मंडल महामंत्री रोहित अवस्थी प्राचार्य डा संगीता यादव कार्यक्रम संचालक कोशल किशोर मिश्रा कार्यक्रम प्रभारी व्यासनारायण मिश्रा धर्मेन्द्र शुक्ला संदीप दीक्षित सी पी राठौर जुगल किशोर सिंह पुष्पेन्द्र सिंह मनमोहन मालवीय राहुल साहू घनश्याम कहार ब्रजैश मेहरा आदि की उपस्थति रही ।

भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों ने छात्रों को बांटी किटें एवं किया पौधरोपण

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने स्वच्छता पखवाड़ा के चलते प्लांट से टेरेटरी मैनेजर महेंद्र दलवी एवं सेल्स एरिया अधिकारी रक्तपाल का आशीर्वाद भारत गैस तेंदूखे ?ा आगवन हुआ। भारत गैस संचालक रामकुमार ठाकुर एवं स्टॉफ के साथ जाकर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में स्वछता विषय पर चर्चा करते हुए वृक्षों के संरक्षण आस पास का माहोल हरा भरा रखने की बात कही। तथा घरों में इस्तेमाल की जाने वाली रसोई गैस सिलेंडरो के उचित रखरखाव सुरक्षा के आवश्यक उपायों पर विस्तार से चर्चा की तथा स्वछता से संबंधित विषयों पर आधारित आवश्यक सबाल किये प्रश्नों का सही जबाब देने वाली सभी छात्राओं को स्वच्छता संबंधित किट प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की गईं। इस मौके पर गैस वितरण केंद्र के वालिन्टयरों को भी सुरक्षा किटों का वितरण किया गया।

कन्या शाला में धूमधाम से मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

गाडरवारा। स्थानीय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस वर्ष के उत्सव की खास बात यह रही कि आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा एवं संचालन छात्राओं द्वारा ही किया गया, जो उनकी नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण था। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा देवी सरस्वती के पूजन एवं वंदन के साथ हुआ।

जिसके बाद उन्होंने भावपूर्ण गुरु वंदना प्रस्तुत की। इसके उपरांत, विद्यालय के समस्त शिक्षकों का तिलक लगाकर एवं पुष्पों से भव्य स्वागत-सम्मान किया गया, छात्राओं ने अपने गुरुजनों के प्रति असीम श्रद्धा और आदर व्यक्त किया। गुरु महिमा को समर्पित इस अवसर पर, छात्राओं ने भाषण, गीत, कविता और नृत्य जैसी विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। शिक्षकों ने भी

छात्राओं को गुरु महिमा एवं गुरु पूर्णिमा पर्व के महत्व पर विस्तार से संबोधित करते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा से अवगत कराया। कार्यक्रम के समापन पर, विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका मालती मेहरा ने सभी छात्राओं की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने प्रतिकूल मौसम के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति और उत्साहपूर्वक आयोजन में भागीदारी के लिए छात्राओं एवं पूरे विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। यह सफल आयोजन विद्यालय में छात्राओं के सर्वांगीण विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है।

जन्मदाता, शिक्षादाता, अन्नदाता, दीक्षादाता गुरु होते है

नरसिंहपुर। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर कंदेली स्थित जैन मंदिर जी में अपनी दिव्य देशना में मुनि निदर्दोष सागर महाराज जी ने गुरू पूर्णिमा के महत्व को बताते हुए कहा कि गुरू पांच प्रकार के होते हैं। जन्मदाता, शिक्षादाता, अन्नदाता, दीक्षादाता, जन्मदाता गुरु माता-पिता होते हैं बाल्य अवस्था का ज्ञान दिलाते हैं माता-पिता ने संसार के विषयों में फंसाने की शिक्षा देते रहे, परंतु मोक्षमार्ग नहीं बतलाया। गीली मिटटी को कुम्हार के चके पर रखने से कभी अपने आप मंगल कलश नहीं बनता है। कुभ्भकार के हाथ ही गिली मिटटी को मंगल कलश बनाता है। बच्चों को मंगल कलश बनाने के लिए गुरु की शरण आवश्यक है, संसार में चार शरण अरिहंत, सिध्द, साधु, केवली शरण है। गुरू ने पहले स्वयं दीक्षा ली, पिर जगत का कल्याण करने निकल पड़े। आज उन गुरुओं का दिन आषाढ पूर्णिमा को ही गुरू पूर्णिमा के रूप में मनायी जाती है। जन्म देने वाली मां आधी गुरु है,

दीक्षा देने वाले गुरु ही पुर्ण गुरू होते हैं। हमे गुरुओं की उपासना करनी चाहिए ये दिगम्बर मुनियों को मुद्रा देख कर सीखा जा सकता है। जो मोक्ष मार्ग का स्वरूप है पहले के गुरू एक पाठी थे, जो एक बार में सब कुछ याद कर लेते थे। पंचम काल की बलिहारी है, कि अच्छी बातें दिन में ना हीं रख पाते है। गन्ने का रस निकालकर गन्ने छिलके फैंक देते हैं। ऐसे ही बुराईयों को निकाल कर दिल से फैंक देना चाहिए। गुरु की शरण में सदैव समय का सदुपयोग होता है। जीवन जीने के लिए हैं रक्षा कवच है. मिथ्थावादी युग से कैसे छुटकारा पाये अंतरंग की ज्योति कैसे प्रज्जवलित करें, जीवन की वैतरणों कैसे पार करें इन विषयों के बावत गुरुओं से जान प्राप्त कर सकते हैं। प्रवचन श्रृंखला में मूनि निरूपम सागर महाराज जी ने कहा कि जिसके जीवन में गुरू नहीं, उसका जीवन शुरू नहीं, आखिर गुरु किसे कहते हैं, जो हमें उन्नति की ओर ले जाते है उन्हें गुरु कहते हैं। आचार्य विद्यासागर महाराज जी ने अहिंसा, जीव दया और करूणा के लिए हमेशा प्रेरित किया था। गुरु को अंतरंग की भावना से याद करने पर अंदर की कलुषित भावना मिट जाती है। वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति स्वार्थ की भावना लेकर जी रहा है परंतु गुरु भगवान हमेशा नि:स्वार्थ भाव से आपके कल्याण के लिए उपकार करते हैं।

कल्याण का मार्ग प्रभु एवं गुरु से खुलेगा

गुरु प्रत्यक्ष और परोक्ष में प्रत्येक भक्त पर आश्रय बनाये रखते हैं। हमारे कल्याण का मार्ग प्रभु एवं गुरु से खुलेगा। अच्छे कार्यों को प्रोत्साहन मिलता रहना चाहिए। जिससे अच्छे कार्य हमेशा संपादित होते रहे। इसी क्रम में मुनि निलोभ सागर महाराज जी ने बतलाया कि भगवान महावीर की केवल ज्ञान प्राप्त हो गया था। परंतु पैसठ दिन तक दिव्य ध्यान नहीं खिर रही थी। कारण कि वहां उपस्थित सामान्य व्यक्ति उनको वाणी की स्मरण में नहीं रख पाते थे। गुरू पूर्णिमा का आशय गुरु पूर्ण मां है। जिनमें ज्ञान देने की पूर्ण क्षमता होती है जो कार्य कोई नहीं कर सकता है वो कार्य गुरु कर सकता इसलिये गुरु को गुरु बम्हा,गुरु विष्णु, गुरु महेश कहा गया है। गुरु की महिमा वर्णनीय जाएं गुरु नाम जपी, मन वच काय।

आर्यिका संघ के सानिध्य में मनाई गई गुरु पूर्णिमा एवं वीर शासन जयंती

तेंदूखेड़ा। दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में विराजमान आर्यिका सिद्धांतमती माताजी के ससंघ सान्निध्य में गुरुपूर्णिमा एवं वीरशासन जयंती मनाई गई।

संत शिरोमणि आचार्य भगवान श्री विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज की आज्ञा से पूजनीय 105 आर्यिका सिद्धांत मति माताजी 105 आर्यिका पुनीत मति माताजी 105 आर्यिका विनय मति माताजी का पावन वर्षायोग तेंदूखेड़ा में संपन्न होने जा रहा है। आगामी 14 जुलाई को दोपहर 1 बजे से चिन्मय सागर सभागार में वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन भव्यता से किया जाएगा। आर्यिका सिद्धांतमति माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वैशाख शुक्ल एकादशी को तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई परंतु उनकी धर्म सभा समव शरण में उनकी दिव्य देशना को धारण करने की पात्रता

रखने वाला योग शिष्य ना होने के कारण 65 दिनों तक भगवान के समवशरण में उनकी दिव्य देशना प्रारंभ नहीं हो सकी। भगवान की दिव्या देशना का यह अतिशय होता है कि वह अर्द्धमागधी भाषा में अनक्षरी हुआ करती है परंतु वहां पर उपस्थित समस्त जीव उसे अपनी-अपनी भाषा में समझ जाते हैं । जव आषाढ शुक्ल पूर्णिमा को इंद्रभूति गौतम ऋषि भगवान महावीर स्वामी के समव शरण में अपने भाई अग्नि भूति एवं वायुभूति और उनके पांच पांच सौ शिष्यों के साथ पहुंचे और उन्होंने भगवान महावीर स्वामी को अपना गुरु बनाया एवं उनसे दैगम्बरी मुनि दीक्षा लेकर उनके प्रमुख शिष्य गणधर परमेष्ठी बन गये।